डिजीटल पत्र

दैनिक

कांग्रेस दर्पण

पटना, 16 जून, रविवार, 2024

बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल सदाकत आश्रम पटना - 10

एनडीए सरकार गलती से बनी, ज्यादा दिन नहीं चलेगी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बोले

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का दावा है कि एनडीए सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी और ये कभी भी गिर सकती है। खरगे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को अपने सहयोगियों को एकजुट रखने में काफी परेशानी हो रही है।

बंगलूरू में मीडिया से बात करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि 'एनडीए सरकार गलती से बनी। मोदी जी के पास जनादेश नहीं है, यह अल्पमत की सरकार है। यह सरकार कभी भी गिर सकती है। उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि यह जारी रहे, यह देश के लिए अच्छा हो, हमें देश को मजबूत बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।'

उल्लेखनीय है कि 543 सदस्यों वाली लोकसभा में बहुमत का आंकड़ा 272 है, लेकिन भाजपा बहुमत के आंकड़े से काफी पीछे रही और 240 सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी। ऐसे में सरकार बनाने के लिए भाजपा एनडीए गठबंधन के सहयोगियों पर निर्भर है। जिनमें 16 सीटें जीतने वाली तेदेपा, 12 सीटें जीतने वाली जदयू और एकनाथ शिंदे की शिवसेना (7) और लोजपा (5) प्रमुख हैं। खरगे के बयान पर जदयू ने पलटवार किया है और उनसे पूछा कि जब कांग्रेस ने गठबंधन की सरकार बनाई थी, तब उनके प्रधानमंत्री का स्कोर कार्ड क्या थे? बता दें कि साल 1991 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने भी इतनी ही सीटें जीतीं थी, जितनी भाजपा ने 2024 में जीती हैं। बिना किसी स्पष्ट बहुमत के कांग्रेस ने पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व में अल्पमत की सरकार बनाई थी। हालांकि पीवी नरसिम्हा राव ने छोटी पार्टियों को तोड़कर अपनी अल्पमत की सरकार को दो साल में ही बहुमत की सरकार बना लिया था।

कांग्रेस दर्पण
पटना, रविवार
16.06.2024

बिहार बीजेपी इकाई की यूपी बीजेपी इकाई के साथ चिरौरी

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

बिहार #बीजेपी ने यूपी #बीजेपी से कहा कि हम तो कान होकर रह गए,लेकिन तुम तो बिलकुल अंधे हो गए।

है न मजेदार बात ??

अब आप भी सोच रहे होंगे कि ऐसा क्या हुआ!!!!

दरअसल, लोकसभा चुनाव में एक पोस्टर घूम रहा था कि

बिहार + यूपी आई और मोदी सरकार गई।

कमोवेश हुआ भी वही लेकिन मामूली सी चूक रह गई । हालांकि इसे चूक भी कैसे कही जाए?

2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के आंकड़ों पर अगर नजर डालें तो एनडीए को यूपी में लगभग 3 करोड़ 75 लाख के आस पास वोट मिले वहीं इंडिया गठबंधन को करीब 3 करोड़ 81 लाख वोट प्राप्त हुए। यानि इंडिया को एनडीए से ज्यादा वोट मिले। आंकड़ों के मुताबिक यूपी में करीब 17 सीटें ऐसी रही जहां जीत हार की मार्जिन का अंतर बहुत ही कम रहा। अगर ये सीटें इंडिया गठबंधन को हासिल हो गई होती तो आज खेल कुछ और होता।

वहीं दूसरी ओर अगर बिहार की बात करें तो एक तरफ जहां 2019 में एनडीए और यूपीए के बीच वोट प्रतिशत की मार्जिन लगभग 27 फीसदी से ज्यादा की रही वहीं दूसरी ओर 2024 में यह मार्जिन घट कर केवल 9 फीसदी पर आ गई। यानि की एनडीए के मुकाबले इंडिया गठबंधन ने बिहार में 36 प्रतिशत से ज्यादा की वोट शेयरिंग के साथ 1 के मुकाबले लगभग 10 सीटों पर अपनी जीत दर्ज की।

अब इन तमाम आंकड़ों के मद्देनजर बिहार बीजेपी का नकारा नेतृत्व अगर यूपी बीजेपी से चिरौरी ही कर रहा है तो इसमें गलत क्या है? यूपी बीजेपी तो है ही उसी लायक.......!!!

बिहार में बीजेपी कार्यकर्ताओं के मुकाबले इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता ज्यादा सक्षम और समझ वाले

दरअसल, बीजेपी में एक नया ट्रेंड चला है, और वो है आयातित और **paid workers** का ट्रेंड और इस ट्रेंड को विकसित किया है मोदी जी और अमित शाह जी के नेतृत्व ने।

हालांकि इस मामले पर आरएसएस के सर संघचालक मोहन भागवत ने नागपुर के संघ शिक्षा वर्ग में टिप्पणी भी की है। साथ ही संघ के कद्दावर नेता इंद्रेश कुमार ने भी मोदी जी के अहंकार पर टिप्पणी की है।

गौरतलब है कि बीजेपी के पास बड़ी संख्या में अनुभवी और वैचारिक कार्यकर्ता हैं , जिन्हें केवल पूछने मात्र की जरूरत है, लेकिन वर्तमान बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व उन्हें छूना तक नहीं चाहती। चूंकि पूरी बीजेपी अब एक व्यक्ति के हाथ की कठपुतली बन गई है , लिहाजा ऐसे अनुभवी कार्यकर्ताओं को काम पर लगाने में उन्हें असुरक्षा का भाव उत्पन्न होता है। इसलिए यहां आयातित **paid workers** का चलन शुरू हुआ। जैसे कॉरपोरेट में स्टाफ होते हैं , ठीक उसी तरह पार्टी वर्कर भी स्टाफ के तरह कार्य करते हैं और उन्हें सैलरी दी जाती है। इसलिए उनके अनुभव का अंदाजा आसानी से आप ही लगा सकते हैं। यहां तक कि राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रदेश और जिले तक के ऑफिस का संचालन भी कॉरपोरेट तरीके से होता है।

वहीं अगर इंडिया गठबंधन की बात करें तो उसमें चाहे कांग्रेस पार्टी हो या फिर राजद। सभी पार्टियों में एक राजनीतिक माहौल है और सभी के कार्यकर्ता भी बेहद दक्ष और एक एक वोटर्स के घरों तक पहुंच कर उनका दरवाजा खटखटाने वाले मिलेंगे। इसलिए उनका काम करने का तरीका भी बीजेपी के स्त्रं६ङ्ग१ ी१२ के मुकाबले कहीं ज्यादा बेहतर और परिपक्व है। क्योंकि वहां कोई नौकरी पर नहीं होता। वहां एक पॉलिटिकल पैशन की तरह लोग काम करते हैं।

मोदी-शाह की जोड़ी अपने पार्टी के किसी नेताओं को नहीं पूछती।

चाहे उत्तरप्रदेश में योगी आदित्यनाथ हों या फिर महाराष्ट्र में नितिन गडकरी, मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान हो या फिर राजस्थान में वसुंधरा या छत्तीसगढ़ में रमण सिंह या बिहार में स्व .सुशील मोदी ही क्यों न रहे हों। मोदी और शाह की जोड़ी पार्टी के किसी भी नेता को नहीं पूछती। न वहां के टिकट वितरण में और न ही वहां के संगठन में।

मसलन , समझ लीजिए कि ये लोग केवल देश के लिए ही तानाशाह नहीं है अपितु अपनी पार्टी और संगठन के लिए उससे भी बड़े तानाशाह हैं। किसी भी नेता की क्या हिम्मत की वो उनके फैसलों पर चू भी कर दे। चू किया नहीं कि मिनट में ठिकाने लगा दिए जायेंगे। इसके कई उदाहरण सामने है।

चुन चुन कर पुराने लीडरशिप को इन्होंने किनारे किया।

चाहे लाल कृष्ण आडवाणी हों या फिर मुरली मनोहर जोशी। उमा भारती हों या सुमित्रा महाजन।। पुराने नेताओं की ऐसी लंबी फेहरिस्त है जिसे पार्टी में मोदी और शाह की जोड़ी ने ठिकाना लगाया। यहां तक कि हरेन पांड्या जैसे गुजरात के कद्दावर मंत्री और बीजेपी नेता के मौत की जांच भी नहीं कराई जा सकी। प्रवीण भाई तोगड़िया जैसे विश्व हिंदू परिषद के फायर ब्रांड लीडर जिसके स्कूटर पर बैठकर नरेंद्र मोदी संगठन का काम किया करते थे, उन्हें बड़ी ही बेदर्दी से ठिकाने लगाया गया और जिस विश्व हिंदू परिषद के बल पर मोदी जी को प्रधानमंत्री की कुर्सी मिली। उस संगठन को मोदी जी ने अपने हाथों से पूरी तरह से ध्वस्त करके रख दिया। कागज पर वृत्त चाहे जो भी बना ली जाय लेकिन सत्य तो यह है आज विश्व हिंदू परिषद बिल्कुल खत्म हो चुकी है।

एक ज़माना था जब बीजेपी अपने विरोधियों का भी सम्मान करती थी

जब बीजेपी का नाम लें तो ख्यालों में सबसे पहले अटल जी और आडवाणी जी आते हैं। विरोधी दलों के लोग भी उन्हें आज सम्मान की दृष्टि से याद करते हैं। लेकिन जरा पार्टी में उनकी विरासत को संभाल रहे मोदी और शाह की जोड़ी को देखिए। किस प्रकार से अपने विरोधियों का गलत तरीके से दमन कर लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं। यह सर्वविदित है। व्यवहार तो उनके साथ इनका ऐसा है मानों इनकी राजनैतिक दुश्मनी नहीं अपितु उनकी व्यक्तिगत दुश्मनी हो। देश के लोकतांत्रिक इतिहास में इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ।

बहरहाल, वर्तमान में जो रवैया दिख रहा है उससे साफ प्रतीत होता है कि कहीं मोदी जी भारतीय जनता पार्टी के लिए बहादुर शाह ज़फ़र न साबित हों।। और पार्टी को मटियामेट ही करके न रख दें।

जरा सोचिएगा।।

शिशिर कौण्डिल्य

भड़के तेजस्वी बोले— गजब अंधेर मचा दिया

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि भाजपा की सरकार केंद्र में रहे या राज्य में, पेपर लीक होना तय है। नीट पेपर लीक बहुत ही गंभीर विषय है। हिरासत में अपराधी कबूल रहा है कि पेपर लीक किया गया है। अभ्यर्थी, अभिभावक, विद्यार्थी, युवा सभी चिंतित हैं। पूरी व्यवस्था सशंकित है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि एनडीए की सरकार ऊपर से नीचे तक इस कदर अहंकार में डूबी है कि देश में परीक्षाओं की विश्वसनीयता की सरासर अनदेखी करते सबूतों को नकार रही है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक के सबूत सार्वजनिक होने, जांच–गिरफ्तारी और साजिश करने वालों द्वारा अपराध स्वीकार करने के बाद भी केंद्र सरकार यह मानने को तैयार ही नहीं हैं कि नीट परीक्षा में कुछ धांधली भी हुई है।

तेजस्वी ने कहा कि सब सबूत सामने है। लेकिन केंद्रीय शिक्षा मंत्री इतने अनभिज्ञ हैं कि मानने को तैयार ही नहीं हैं कि कुछ गड़बड़ हुआ भी है। अहंकारी मोदी सरकार कुंभकर्णी नींद में ऐसे सोयी है कि लाखों अभ्यर्थियों के सपनों में आग भी लग जाए तो इन्हें परवाह नहीं। इन्होंने देश में गजब अंधेर मचा दिया है।

भोपाल में 15 जून से 15 अगस्त तक 2 महीने का मंथन अभियान शुरू करेगी प्रदेश कांग्रेस

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

मध्य प्रदेश के चुनावों में लगातार हार को देखते हुए कांग्रेस अब अपने संगठन को मजबूत करने आगामी 10 सालों की कार्य योजना बनाएगी. इसके लिए कांग्रेस 15 जून से मंथन अभियान शुरू करने जा रही है. इसमें पार्टी के तमाम वरिष्ट नेता ब्लॉक स्तर तक जाएंगे और पार्टी पदाधिकारी से लेकर पंचायत जिला जनपद के पदाधिकारी से पार्टी को मजबूत बनाने के सुझाव लेंगे. कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में बुलाई गई लोकसभा उम्मीदवारों और आला नेताओं की समीक्षा बैठक में इसका निर्णय लिया गया.

15 जून से अगले चुनाव की तैयारी में कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और मध्य प्रदेश के प्रभारी जितेंद्र सिंह ने समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि 'समीक्षा बैठक में मिले फीडबैक के बाद निर्णय लिया गया है कि 4 जून को चुनाव के नतीजे आने के बाद कांग्रेस 15 जून से अगले आने वाले चुनाव की तैयारी में जुट जाएगी. कांग्रेस मंथन कार्यक्रम की शुरुआत कर रही है. यह कार्यक्रम 15 जून से शुरू होगा. इसमें पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता ब्लॉक स्तर तक जाएंगे और बूथ, मंडल और सेक्टर से लेकर जनपद पंचायत, नगर पालिका के सदस्यों से बात करेंगे. इसमें सुझाव लिए जायेंगे कि कैसे संगठन को और मजबूत बनाया जा सकता है.'

मध्य प्रदेश के विकास को आगे बढ़ाने के लिए क्या पार्टी की कार्य योजना होना चाहिए. जमीनी स्तर से सुझाव लेने के बाद प्रदेश स्तर पर अलग–अलग वर्कशॉप होगी. इसमें तय किया जाएगा कि संगठन को मजबूत करने के लिए क्या–क्या बदलाव करने की जरूरत है. वर्तमान परिस्थितियों में पार्टी से कैसे युवा महिला और विभिन्न वर्ग के लोगों को जोड़ा जाए. अगले 10 साल के लिए मध्य प्रदेश में कांग्रेस का रोडमेप बनाया जाएगा. यह कार्यक्रम 15 जुलाई तक चलेगा.

उम्मीदवारों को संगठन से कोई नाराजगी नहीं

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह ने कहा की 'समीक्षा बैठक के दौरान चुनाव मैदान में उतरे लोकसभा उम्मीदवारों ने अपनी बात रखी. किसी को भी संगठन या स्थानीय स्तर पर पार्टी नेताओं से कोई नाराजगी नहीं है. सभी नेताओं ने एकजुट होकर चुनाव लड़ा. किसी कि कोई नाराजगी नहीं और जो खिलाफत करने वाले थे. वह सभी चुनाव के दौरान ही पार्टी छोड़कर चले गए.'

सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप

जितेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि चुनाव में राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया. इलेक्शन कमीशन, प्रशासन ने बीजेपी के कार्यकर्ता के रूप में काम किया. पूरा चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र के आधार पर प्रयोग करके चुनाव जीतने के लिए किया, लेकिन मध्य प्रदेश की जनता ने बीजेपी का असली चेहरा देखा है. उन्होंने कहा कि चुनाव में कांग्रेस ने अच्छा परफॉर्मेंस किया है. मध्य प्रदेश और पूरे देश में चौंकाने वाले नतीजे आने वाले हैं.

हरियाणा में 5 सीटें जीती, फिर भी मचा घमासान, कुमारी सैलजा ने माना कांग्रेस में है गुटबाजी

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

चंडीगढ़। लोकसभा चुनाव में हरियाणा की पांच सीटों पर जीत के साथ जहां इस बार प्रदेश कांग्रेस मजबूती से उभर उठी है, वहीं चुनाव परिणाम के बाद टिकट बंटवारे को लेकर घमासान छिड़ गया है। चुनाव में जीतने वाले चार सांसद तो भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में एकजुटता दिखा रहे हैं, लेकिन कुमारी सैलजा अलग चल रही हैं। वह आए दिन नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के फैसलों पर सवालिया निशान लगा रही हैं। हालांकि, एसआरके गुट में रणदीप सुरजेवाला और किरण चौधरी ने चुप्पी साध रखी है।

सिरसा से सांसद बनने के बाद सैलजा ने हरियाणा में जिलास्तर पर अपने समर्थकों को लामबंद करना शुरू कर दिया है। समर्थकों के साथ बैठकों के दौरान सैलजा लगातार लोकसभा चुनाव में टिकट आवंटन को लेकर बयान दिए जा रही हैं। सैलजा ने अंबाला में वरुण मुलाना को उनकी सिफारिश पर टिकट दिए जाने का बयान देकर सभी को चौंका दिया है। इसके बाद उन्होंने गुड़गांव और भिवानी–महेंद्रगढ़ में टिकट बंटवाने को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

बासांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि और बेहतर तरीके से टिकट वितरण कर सकते थे। सैलजा ने अपनी ही पार्टी से सवाल पूछा कि कैंडिडेट इम्पोर्ट करने की जरूरत क्यों पड़ी। उन्होंने माना कांग्रेस में गुटबाजी है। उन्होंने नसीहत देते हुए कहा कि ऐसे ही तेरा मेरा करते रहे तो मुश्किल हो जाएगी। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर सैलजा ने कहा कि प्रभारी को निष्पक्ष होगा होगा। मैरिट के आधार पर टिकटें दी जाए। सीएम पद को लेकर सैलजा ने कहा कि इसका फैसला हाईकमान करेगा।

उदयभान ने भी सैलजा के खिलाफ खोला मोर्चा

वहीं, इस पूरे घटनाक्रम पर जहां भूपेंद्र सिंह हुड्डा चुप हैं, वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान ने भी सैलजा के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा है कि वह पार्टी में वरिष्ठ हैं। उन्हें जो भी बात कहनी है वह पार्टी के प्लैटफॉर्म पर आकर कहें। कांग्रेस अध्यक्ष ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि टिकट वितरण बेहतर हुआ था, तभी हरियाणा में कांग्रेस को पांच सीटों पर जीत मिली है। हरियाणा में कांग्रेस का ग्राफ भी बढ़ा है। कुमारी सैलजा को इस तरह से जनता में या फिर मीडिया में बयान नहीं देना चाहिए। कांग्रेस इस चुनाव के बाद मजबूत होकर उभरी है और प्रदेश के विधानसभा चुनाव में 70 से अधिक सीटों पर जीतकर सरकार बनाएगी।

आज दिनांक 15.6.2024 को झारखंड प्रदेश युथ कांग्रेस के निर्देशानुसार जामताड़ा जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष तनवीर आलम जी के नेतृत्व में मिहिजाम चौक पर जिला युवा कांग्रेस के साथियों के साथ #ठएएलपरीक्षा में हुई धांधली के खिलाफ और नीट अभ्यार्थियों को न्याय देने की मांग को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी का पुतला दहन किया गया। मौके पर प्रदेश , जिला के पदाधिकारी गण, नगर अध्यक्ष ,प्रखंड अध्यक्ष गण एवं युवा साथी उपस्थित हुए।

ये हालात बनते हैं, तो लोकसभा स्पीकर के लिए प्रत्याशी खड़ा करेगी कांग्रेस

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद नहीं मिलने पर कांग्रेस स्पीकर पद के लिए होने वाले चुनाव में अपना उम्मीदवार खड़ा कर सकती है। बता दें कि 24 जून से 18वीं लोकसभा का पहला सत्र शुरू होने वाला है। इसके बाद 26 जून को लोकसभा में स्पीकर पद के लिए चुनाव होना है। सियासी हलकों में माना जा रहा है कि स्पीकर के चुनाव में विपक्ष भी अपना उम्मीदवार खड़ा कर सकता है। गौरतलब है कि 4 जून को लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आने के बाद से स्पीकर पद के लिए खींचतान जारी है, जो अब तक नहीं थमा है। बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए को इसमें 293 सीटें मिली हैं। वहीं इंडिया गठबंधन को 234 सीटों पर जीत मिली है।

नीतीश और नायडू की भूमिका

दूसरी ओर स्पीकर पद के लिए होने वाले चुनाव में नीतीश कुमार का जदयू और चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी इसमें अहम भूमिका अदा करेंगे। जदयू के जहां 12 सांसद हैं वहीं, टीडीपी अपने 16 सांसदों के साथ एनडीए सरकार का हिस्सा बने हैं। एक अन्य मीडिया रपट में कहा गया है कि बीजेपी के लोकसभा स्पीकर उम्मीदवार का समर्थन ये दोनों दल करेंगे। जदयू के नेता केसी त्यागी ने एक दिन पहले कहा कि उनकी पार्टी और टीडीपी बीजेपी की अगुवाई वाली एनडीए सरकार का हिस्सा हैं और लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए बीजेपी के उम्मीदवार को वे समर्थन देंगे। त्यागी ने आगे कहा, 'जेडीयू और टीडीपी मजबूती के साथ एनडीए में हैं. हम बीजेपी द्वारा (स्पीकर के लिए) नामित व्यक्ति का समर्थन करेंगे।'

विपक्ष का स्टैंड

इधर, आम आदमी पार्टी ने टीडीपी और जेडीयू को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि लोकसभा अध्यक्ष दोनों पार्टियों में से एक हो। आप ने एक बयान में कहा कि यह उनके साथ-साथ संविधान और लोकतंत्र के हित में होगा। वहीं, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि अगर बीजेपी लोकसभा अध्यक्ष का पद अपने पास रखती है तो उसके सहयोगी टीडीपी और जेडीयू के सांसदों की खरीद-फरोख्त हो सकती है।

सच्चाई ये है कि नरेंद्र मोदी कोई भी परीक्षा बिना पेपरलीक के नहीं करवा सकते

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

NEET-2024 की परीक्षा में 24 लाख बच्चे, 1 लाख मेडिकल सीट पर एडमिशन लेने के लिए शामिल हुए थे।

लेकिन अफसोस- बाकी परीक्षाओं की तरह ही ठएएळ के पेपर में गड़बड़ी हुई और पेपरलीक हो गया।

देश के मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए हर साल ठएएळ की परीक्षा करवाई जाती है, जिसमें डॉक्टर बनने का सपना लिए लाखों बच्चे हिस्सा लेते हैं।

पूरा मामला समझिए-

- ये स्कैम तब सामने आया जब **NEET-2024** के रिजल्ट में रिकॉर्ड 67 बच्चे टॉप कर गए, जिन्हें 720 में से 720 नंबर मिल गए। वहीं टॉप करने वाले 6 बच्चे तो हरियाणा के एक ही सेंटर के निकले।
- **NEET** के रिजल्ट में कुछ बच्चों को 718 और 719 नंबर मिल गए, जो संभव नहीं था।

ऐसा इसलिए क्योंकि ठएएळ में हर सवाल 4 नंबर का होता है और नेगेटिव मार्किंग के बाद ऐसे नंबर नहीं आ सकते। अभी हाल ही में बिहार और गुजरात में ठएएळ परीक्षा में धोखाधड़ी करने वालों का भंडाफोड़ हुआ है, लेकिन फिर भी मोदी सरकार में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बड़ी बेशर्मी के साथ **NEET** में हुई धांधली को नकार रहे हैं। ये देश के लाखों बच्चों की कड़ी मेहनत और उनके माता पिता के खून-पसीने की कमाई का अपमान है। उनके सपनों और उम्मीदों के साथ घिनौना मजाक है। मोदी सरकार के संरक्षण में पेपरलीक माफिया 'पैसा दो और पेपर लो' का खेल चला रहे हैं। जिसने देश के लाखों बच्चों का जीवन बर्बाद कर दिया है। सच्चाई ये है कि नरेंद्र मोदी कोई भी परीक्षा बिना पेपरलीक के नहीं करवा सकते।

इसलिए हमारी मांग है कि **NEET** घोटाले में **CBI** की जांच होनी चाहिए और छात्रों को न्याय मिलना चाहिए।

‘दिल्लीवासियों पर पानी का संकट, दिल्ली करेगी तख्तापलट’

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री अरविंदर सिंह लवली जी की अपील पर सीमापुरी, नांगलोई, करोल बाग, पटेल नगर पूर्व, देवनगर, शालीमार बाग दक्षिण, दिलशाद गार्डेन वार्ड 219 में संदीप जी, रजनीश जी, जगदीश बड़सीवाल, रजिंदर खटाना, सुनीता गौतम, रमेश कौशिक, अशोक बघेल जी ने स्थानीय क्षेत्रवासियों के साथ मटका फोड़ कर दिल्ली और केंद्र सरकार को पानी संकट में नाकाम होने पर चेताया!

जनता के हितों की अनदेखी करने वाली दिल्ली सरकार को दिल्ली माफ़ नहीं करेगी।

जय जनता
जय हिन्द